आज का पुरुषार्थ 11 March 2023

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

सार – *"अब से हम परमात्मम प्यार की अनुभव को और बढ़ाते चले .. और सब पर प्यार बरसते चले "*

हम सभी को ब्रह्मा बाप समान **सम्पूर्ण स्थिति** को प्राप्त करना है। हमारा अगर उनसे सच्चा प्यार है, तो हमें उन्हें फालो करना है।

जैसे उन्होंने शिव बाबा से बहुत प्यार लिया और सबको बहुत प्यार दिया। वैसे ही हमें भी शिवबाबा से बहुत **प्यार लेना है और संसार की आत्माओं को वह देना है।**

प्यार लेने के लिए हमें देह से न्यारा होना होगा। जो देह से न्यारे **अशरीरी आत्मा** बन जाते है उनपर ही प्रभु प्यार बरसता है। वही परमात्मा के प्यारे होते है। वही उन्हें बहुत प्रिय लगते है, और संसार को भी बहुत प्रिय लगते है।

हमें सबको प्यार भी बांटना है। इस संसार की प्रत्येक आत्मा प्यार की प्यासी है। क्योंकि कहीं भी सच्चा प्यार नहीं रहा है। प्यार में वासनायें समा गई है, प्यार में स्वार्थ समा गया है। प्यार में लोगों को धोखा मिल रहा है। विश्वास समाप्त हो रहा है।

और इसी वासनात्मक प्यार में फँसकर कई आत्मायें डिप्रेशन (depression) के शिकार होते जा रहे है। हमें सबका ध्यान परमात्म प्यार की ओर खिंचवाना है कि ..

" अगर तुम्हे सच्चा प्यार चाहिए तो केवल एक जगह से ही मिलेगा और वह है तुम्हारे परमपिता .. उन्हें पहचानो .. उनसे नाता जोड़ो .. कोई सम्बन्ध उनसे जोड़ लो .. उन्हें अपना प्रियतम बना लो .. या उन्हें अपना खुदा दोस्त बना लो ..और उनके प्यार में मग्न हो जाओ .. तो उनसे सच्चा प्यार तुम्हे मिलेगा .. जितना प्यार तुम देहधारियों को करते हो .. जितनी प्यार की कामना तुम देहधारियों से करते हो .. उतना प्यार अगर परमपिता से करो .. तो संसार में और अन्य किसी से प्यार की कामनायें नहीं रहेगी .. प्यार के सागर तुम्हे इतना प्यार देगा .. कि संसार को बाँट सको .. तुम्हारे प्रेम के खजाने सदा सदा के लिए भरपूर हो जायेंगे "

क्या कभी हमने सोचा था के **भगवान** इस तरह हमें प्यार करेंगे, हमारी पालना करेंगे, हमें बैठकर पढ़ायेंगे, हमारी निरंतर मदद करेंगे, हमारी सिर पर प्यार भरा हाथ घुमायेंगे!

भगवान का प्यार मिलेगा हमें, वो हमारे **सच्चे मात-पिता** बन जायेंगे, और प्यार से हमें बहुत पालना देंगे। हमने तो कभी कल्पना भी नहीं की होगी। हम तो केवल यह चाहते थे, क्षण भर के लिए उनके दर्शन हो जाये।

और हो क्या गया? वो तो हमारे हो गये। हम उनके परिवार के बहुत समीप सदस्य बन गये। तो आज सारा दिन हम स्वयं को इस देह से न्यारा करने का अभ्यास करेंगे।

Good Feeling देंगे बार-बार →

" यह देह अलग और मैं आत्मा अलग "

अपने स्वरुप को देखेंगे। कभी अभ्यास करेंगे ..

" मैंने इस तन में प्रवेश किया है .. मैं अवतार हूँ .. इस देह में अवतरित हुई हूँ .. जैसे शिवबाबा ब्रह्मा तन में अवतरित होते थे .. जैसे बापदादा गुलज़ार

दादी के तन में अवतरित होते है .. वैसे मैं भी इस तन में अवतरित हुई हूँ .. विश्वकल्याण के लिए "

तो देह से न्यारा पन detachment feel करना है। यह डिटैचमेंट हमारे चित्त को बहुत **शान्त** करेगी, हमारे ब्रेन को बहुत डिवाइन (divine) करेगी।

और साथ-साथ हम सूक्ष्म लोक में जाकर यह भी अनुभव करेंगे →

" बाबा का प्यार भरा हाथ मेरे सिर पर है "

वह सिर पर प्यार से हाथ घुमा रहे है, अपने प्यार मुझ पर वर्सा रहे है। और प्यार भरी दृष्टि भी दे रहे है।

यह दोनों अभ्यास आज सारा दिन करते रहेंगे। और परमात्मम प्यार में मग्न रहेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Main: www.shivbabas.org